

नैना पुं. (तद्.) 1. नयन, नेत्र, आँख अ.क्रि. 1. नवना, झुकना स.क्रि. नवाना, झुकाना 2. प्रणाम करना।

नैनी स्त्री. (तद्.) 1. नेत्र वाली 2. (समास-युक्त शब्दों में) समान नेत्र वाली यथा- मृगनैनी-मृग के समान नेत्र वाली।

नैनो पुं. (अं.) (ग्रीक. नैनोस, बौना) टाटा कंपनी निर्मित एक कार का व्यापारिक नाम, उपसर्ग. एक लैटिन उपसर्ग जो एक के सौ करोड़वें भाग (एक अरबवें भाग) का सूचक है जैसे- नैनोग्राम-एक ग्राम का सौ करोड़वाँ भाग, नैनोमीटर-एक मीटर का सौ करोड़वाँ भाग, नैनो सेकंड-एक सेकंड का सौ करोड़वाँ भाग।

नैपातिक वि. (तत्.) भाषा. निपात संबंधी दे. निपात।

नैपालिका वि. (तत्.) 1. नेपाल देश से संबद्ध, नेपाल का 2. नेपाल देश में बनने वाला या होने वाला पुं. ताँबा।

नैपाली वि. (तद्.) 1. नेपाल देश का निवासी स्त्री. नेपाल देश की भाषा दे. नेपाली।

नैपुण्य पुं. (तत्.) निपुण होने की अवस्था, गुण अथवा भाव-निपुणता, निपुणत्व, दक्षत्व।

नैमित्त वि. (तत्.) 1. निमित्त संबंधी, निमित्त का 2. निमित्त से उत्पन्न।

नैमित्तिक वि. (तत्.) किसी विशेष निमित्त से किसी कारण विशेष के होने पर किया जाने वाला, जो किसी विशिष्ट प्रयोजन की सिद्धि के लिए किया जाए यथा- किसी रोग की शांति के लिए अथवा किसी अभीष्ट की प्राप्ति या अनिष्ट के निवारण के लिए नैमित्तिक-पूजा अनुष्ठान, वर्षा न होने पर वर्षाष्टि यज्ञ करना आदि 2. कभी-कभी होने वाला 3. आकस्मिक पुं. 1. कारण, निमित्त 2. कभी-कभी किसी विशेष अवसर पर किया जाने वाला शास्त्र वर्णित कर्म जैसे- विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजन 3. ज्योतिषी।

नैमित्तिक छुट्टी स्त्री. (तत्.) आकस्मिक छुट्टी।

नैमित्तिक प्रलय पुं. (तत्.) दर्श. चार प्रकार के प्रलयों में से एक जिसमें हिरण्यगर्भ संपूर्ण त्रिलोकों

को अपने में लय करके शयन करते हैं, कल्पांत में होने वाला प्रलय दे. प्रलय।

नैमिष वि. (तत्.) 1. निमिष मात्र अथवा क्षण मात्र तक रहने वाला, क्षणिक 2. पलक झपकने तक का समय, उ.प्र. में स्थित नैमिषारण्य नामक तीर्थ स्थान।

नैमिषीय वि. (तत्.) निमिष-संबंधी, निमिष, क्षण का।

नैमिषेय वि. (तत्.) नैमिषारण्य तीर्थ का (उत्सव, कार्यक्रम आदि)।

नैया, नैय्या स्त्री. (देश.) नौका, नाव।

नैयायिक पुं. (तत्.) 1. न्याय-दर्शन का विद्वान्, न्यायशास्त्र का ज्ञाता 2. न्याय-दर्शन के सिद्धांतों को स्वीकार करने वाला।

नैरंग पुं. (फा.) 1. अद्भुत वस्तु, बात 2. इंद्रजाल, जादू 3. छल, कपट।

नैरंतर्य पुं. (तत्.) लगातार होते रहना या बने रहना, निरंतरता।

नैरपेक्ष्य पुं. (तत्.) 1. अपेक्षा न रखने का भाव, निरपेक्षता 2. उदासीनता, तटस्थता।

नैरर्थ्य पुं. (तत्.) निरर्थक होने का भाव, व्यर्थता।

नैरात्म्य पुं. (तत्.) 1. आत्मा रहित होने की स्थिति, शवभाव, अनात्मता, निरात्मता 2. आत्मा तथा परमात्मा के अस्तित्व को अस्वीकार करना यथा- बौद्ध मतानुयायी नैरात्म का प्रतिपादन करते हैं।

नैरात्म्यवाद पुं. (तत्.) आत्मा और परमात्मा के अस्तित्व को स्वीकार न करने का मत, अनात्मवाद, बौद्ध या चार्वाक मत।

नैराश्य पुं. (तत्.) 1. निराश होने की अवस्था अथवा भाव 2. निराशा, हताशा 3. निराशा से उत्पन्न दुःख, विषाद, मायूसी, बेबसी।

नैराश्यगीत पुं. (तत्.) अमेरिका के नीग्रो जनजाति के लोगों के द्वारा रचे जाने वाले अथवा गाए जाने वाले, हताशा अथवा उदासी को अभिव्यक्त करने वाले तथा अनवरत स्वरमाधुर्य से संयुक्त एक प्रकार के गीत। blues